जिसने जैसा चाहा है परमात्मा को वैसा ही पाया है : वंदना श्री

कलश यात्रा के बाद प्रारंभ हुई स दृश्य श्रीमद् भागवत कथा ने श्रोताओं का मन मोह लिया

देवास अंचल न्यूज

सत्य के ज्ञान के साथ आनंद में जीने वालो का जीवन ही मंगलमय होता है श्रीमद भागवत जीवन जीना सिखाती है। चमत्कार के पीछे नही भक्ति के पीछे भागो । चमत्कार भ्रम पैदा करता है और भक्ति अध्यात्म पैदा करती है। भ्रम से जीवन में निराशा उत्पन्न होती है भक्ति से भगवान की प्राप्ति होती है । जहा प्रेम वहा मेरे ठाकुर है उसे भक्ति से जिस रूप में देखना चाहोगे वो आपको उस रूप दिखेगा। जिसने जैसा चाहा है परमात्मा को वैसा पाया है । यह आध्यात्मिक विचार चेत्र नवरात्री में कैला देवी मंदिर में आयोजित संगीत एवं दृष्यमय श्री मद भागवत कथा के महत्तम का वर्णन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय ब्रज रत्ना भगवताचार्या वंदना श्री जी ने व्यक्त किए ।देवास में पहली बार दृष्यमय कथा को देख श्रोता गण भाव विभोर हो गए । ब्रज के कलाकारों का इतना सुंदर अभिनय वाली भागवत कथा पहली बार देखने को मिली । हमारी भावी पीढ़ी एवं बच्चो को इस कथा का श्रवण कराना चाहिए ताकी बच्चे हमारे पुराणों को समझ सके। कथा के पूर्व केला देवीमंदिर से कथा स्थल तक निकली कलश यात्रा में महापौर गीता अग्रवाल, समिति अध्यक्ष दुर्गेश अग्रवाल,दीपक गर्ग अनामिका गर्ग, जेयेश प्राची गर्ग , योगेश बंसल , हरीश गोयल सहित समिति के पदाधिकारी सिर पर भागवत धारण की। व्यास पीठ की पूजा आयोजक मन्नूलाल गर्ग एवं परिवार ने की आरती में कथा संयोजक रायसिंह सेंधव,राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास, पूर्व महापोर रेखा वर्मा, राजेश यादव, रमण शर्मा, राजेश पटेल, अजब सिंह ठाकुर, चंद्रपाल सिंह सोलंकी, राजीव शर्मा, रवि सोनी आदि उपस्थित थे। कथा आयोजन का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया।